मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 173, मुंबई, मंगलवार, 22 अगस्त, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा

बेकाबू कंटेनर से टकराईं 5 गाड़ियां, 2 की मौत, कई गंभीर

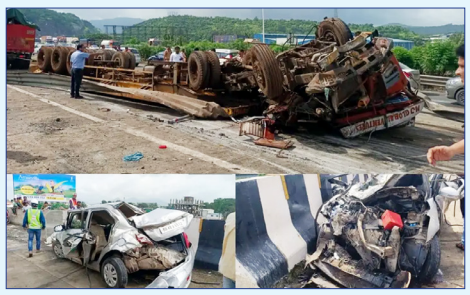

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर सोमवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। जहां एक कंटेनर के पलट जाने से पांच कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हादसे में चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अजित दादा के सख्त तेवर

मंत्रियों के सामने सीएम शिंदे से पूछा 'तीखा' सवाल, तो फडणवीस ने संभाली स्थिति!

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे के नगर निगम अस्पताल में 24 मरीजों की मौत पर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। सियासी हलकों में चर्चा है कि इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच 'तीखी' बातचीत हुई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

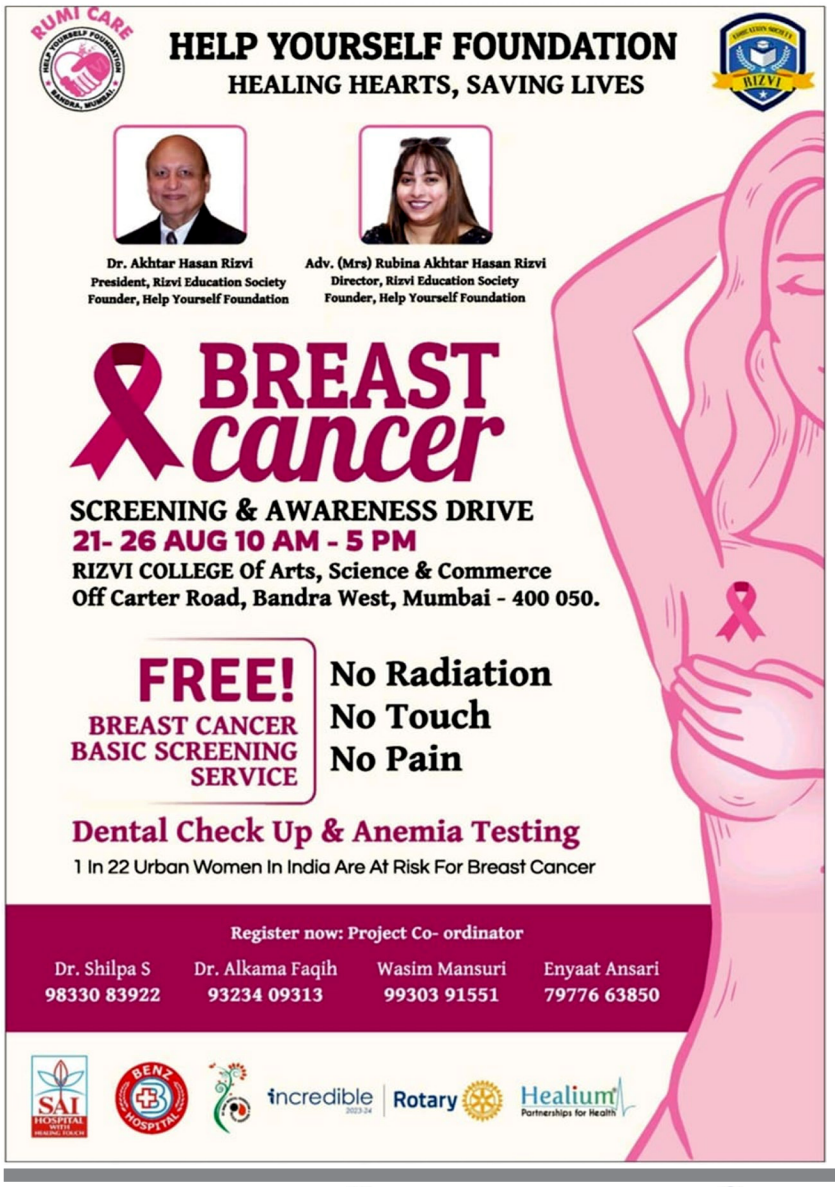

उद्धव ठाकरे और संजय राउत को मानहानि केस में राहत

15 हजार के मुचलके पर मिली जमानत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और सांसद संजय राउत को राहुल शेवाले मानहानि मामले में राहत मिल गई है। मझगांव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उन्हें 15 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी है। सोमवार को कोर्ट में सुनवाई के दौरान शिवसेना (उद्धव गुट) नेता संजय राउत खुद पेश हुए थे। शिवसेना सांसद राहुल शेवाले द्वारा दायर मानहानि मामले में शिवसेना ठाकरे गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत आरोपी है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

100 करोड़ का मानहानि का दावा ठोका : 29 दिसंबर 2022 को सामना के हिंदी और मराठी संस्करण में प्रकाशित एक लेख में दावा किया गया कि राहुल शेवाले की दुबई के साथ-साथ पाकिस्तान के कराची में भी रियल एस्टेट से संबंध है। इस पर शेवाले ने वकील चित्रा सालुंखे के जरिए 3 जनवरी 2023 को नोटिस भेजा और इस लेख में दावों का स्रोत क्या है? यह पूछा गया। इस पर सामना की ओर से जवाब दिया गया कि यह लेख इंटरनेट पर एक महिला के दावे और अन्य जानकारी के आधार पर लिखा गया था। इस जवाब के बाद शेवाले ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज की और बॉम्बे हाईकोर्ट में 100 करोड़ रुपये का मानहानि का दावा भी दायर किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भावनानी के भाव

साहित्य राष्ट्र की महानता वैभव का दर्पण

साहित्य राष्ट्र की महानता
और वैभव का दर्पण होता है
साहित्य को आकार देने में संस्कृति
और परंपराओं का महत्वपूर्ण रोल होता है

साहित्य का खजाना भारत में अनमोल है
साहित्य को जीवंतमय बनाने में
प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का महत्वपूर्ण रोल है
कायम रखने में हमारे पूर्वजों का विशेष रोल है

सच्चाई को लेखनी से सलाम करते हैं
उनकी लेखनी अस्त्र महत्वपूर्ण कलम है
बुराई का धागा तीव्र कलम अस्त्र से काटते हैं
लेखक कवि बुद्धिजीवी पत्रकार को सलाम है

जो साहित्य और कविताएं सामाजिक कल्याण
पर केंद्रित है वह कालजई होती है
यही कारण है रामायण और महाभारत
जैसे महाकाव्य आज भी हमें प्रेरणा देते हैं

हमारे भारत के ज्ञान भण्डार में इतनी जबरदस्त
एवं चमत्कारिक बातें छिपी हुई हैं,
हम यह सोचने पर विवश हो जाते हैं कि
विराट ज्ञान हमारे पास कहां से सवालिया निशान है

आयाजब उस प्राचीनकाल में यह जबरदस्त
ज्ञानभंडार हमारे पास था, तो अब क्यों नहीं है
यह ज्ञान कहां चला गया
सबसे बड़ा सवालिया निशान है

**-लेखक- कर विशेषज्ञ, साहित्यकार,
स्तंभकार कानूनी लेखक, चिंतक कवि,
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र**

कुल मिलाकर खड़गे की टीम अच्छी

भारत में हर राजनीतिक पार्टी को संगठन या सरकार बनाते समय सबसे ज्यादा जिस बात का ध्यान रखना होता है वह जातीय व क्षेत्रीय संतुलन का होता है। इसमें कोई भी पार्टी अपवाद नहीं है। विचारधारा की बात करने वाली कम्युनिस्ट पार्टियां हों या नरेंद्र मोदी के करिश्मे पर जीत रही भाजपा हो, सबको जातीय, क्षेत्रीय, सामुदायिक और लैंगिक संतुलन का ध्यान रखना पड़ता है। तभी हाशिए में डाल दिए गए बीएस येदियुरप्पा को राजनीतिक मजबूरी में भाजपा को संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाना पड़ा। अल्पसंख्यक कोटा पूरा करने के लिए पंजाब के सिख नेता इकबाल सिंह लालपुरा को लाना पड़ा और महिला व पिछड़ी जाति के लिए हरियाणा की सुधा यादव को बोर्ड में रखा गया। भाजपा की टीम की मिसाल देकर शुरूआत करने का मकसद यह बताना है कि कांग्रेस कोई अपवाद नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी राजनीतिक व चुनावी जरुरत के हिसाब से अपनी कार्य समिति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बनाने का प्रयास किया है। एक तरफ खड़गे को पार्टी के तमाम पुराने नेताओं को सीडब्लुसी का सदस्य बना कर उनको सम्मान देना था तो उदयपुर संकल्प के मुताबिक युवाओं व दलित, पिछड़ों, वंचितों, अल्पसंख्यक को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना था। इन दोनों के साथ चुनावी व राजनीतिक जरूरतों का भी ध्यान रखना था। इसी मजबूरी में खड़गे को मुख्य कार्य समिति में 39 सदस्य बनाने पड़े और सीडब्लुसी के सदस्यों की कुल संख्या 84 पहुंच गई।

खड़गे ने किस तरह से राजनीतिक व चुनावी संतुलन बनाया है उस पर बात करने से पहले दो बातों पर ध्यान देना जरूरी है। पहली बात तो यह है कि कांग्रेस ने कार्य समिति के सदस्यों के चुनाव का फैसला क्यों टाला और कब यह तय हुआ कि सभी सदस्य अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होंगे? ध्यान रहे राहुल गांधी चाहते थे कि कार्य समिति का चुनाव हो। गौरतलब है कि पारंपरिक रूप से कार्य समिति के 23 सदस्य होते थे, जिनमें आधे सदस्यों का चुनाव होता था। अगर चुनाव नहीं कराना है तो अध्यक्ष को सभी सदस्यों को मनोनीत करने के लिए अधिकृत किया जाता था। इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि चुनाव क्यों नहीं हुआ और कब व किसने अध्यक्ष को अधिकृत किया कि वे सभी सदस्यों को मनोनीत करें? कायदे से स्टीयरिंग

कमेटी की बैठक होनी चाहिए थी, जिसमें खड़गे को अधिकृत किया जाता। दूसरी बात यह है कि जब पिछले साल उदयपुर के नवसंकल्प शिविर में तय हुआ था कि कार्य समिति में और पार्टी के पदाधिकारियों में भी आधे सदस्य 50 साल से कम उम्र के रखे जाएंगे तो कार्य समिति के गठन के मामले में उस सिद्धांत का पालन क्यों नहीं किया गया? मुख्य कार्य समिति के 39 सदस्यों में से सिर्फ तीन ही ऐसे हैं, जिनकी उम्र 50 साल से कम है। कहने को कहा जा सकता है कि विशेष आमंत्रित या स्थायी आमंत्रित सदस्यों और अग्रिम संगठनों के अध्यक्षों को मिला कर 50 साल से कम उम्र के नेताओं की संख्या अच्छी खासी हो जाती है। लेकिन उदयपुर में दूसरा सिद्धांत तय हुआ था।

बहरहाल, कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्य समिति का गठन करते हुए इस साल होने वाले राज्यों के विधानसभा के चुनावों को तो ध्यान में रखा ही है अगले साल के लोकसभा चुनाव को भी ध्यान में रखा है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि जिन राज्यों में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन कर सकती है उन राज्यों के नेताओं को महत्व मिले ताकि वे अपने राज्य में मजबूती से काम कर सकें। इस साल के अंत में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। सो, खड़गे ने इन पांचों राज्यों का पूरा ध्यान रखा है। पता नहीं यह कितनी सफल होगी लेकिन एक रणनीति के तहत कांग्रेस ने पांचों मुख्यमंत्रियों को कार्य समिति से बाहर रखा गया। इनमें से दो मुख्यमंत्रियों- अशोक गहलोत और भूपेश बघेल से यहां चुनाव होने वाले हैं। दोनों राज्यों से कांग्रेस अध्यक्ष ने बड़े चेहरों को कार्य समिति में रखा। राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को कार्य समिति में रख कर उनके समर्थकों और जातीय समुदाय को मैसेज दिया गया है। ध्यान रहे गहलोत और पायलट के बीच संबंध अच्छे नहीं थे लेकिन पिछले दिनों कांग्रेस आलाकमान ने दोनों को साथ बैठा कर तालमेल बनवाने का प्रयास किया है। उसके बाद से दोनों में सद्भाव भी दिख रहा है। खड़गे ने मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और कार्य समिति के सदस्यों के जरिए पिछड़ा, जाट, गुर्जर, ब्राह्मण, राजपूत सबका एक संतुलन बनाया है।

इसी तरह छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को कार्य समिति में नहीं लिया गया है लेकिन ताम्रध्वज साहू को सदस्य बनाया गया है। ध्यान रहे पिछले विधानसभा चुनाव के समय अपने आप यह संदेश गया था कि ताम्रध्वज साहू को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। इसलिए साहू समाज का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस के साथ जुड़ा था। इस बार के चुनाव से पहले भाजपा उसे फिर अपनी ओर करने का प्रयास कर रही है। भाजपा ने पिछले दिनों 21 उम्मीदवारों की घोषणा की, जिनमें से आठ पिछड़ी जाति के थे और उनमें से चार साहू समाज के थे। भाजपा की इस रणनीति की काट खड़गे ने ताम्रध्वज साहू को कार्य समिति में शामिल करके किया है। उनके अलावा आदिवासी समाज की फूलोदेवी नेताम को भी कार्य समिति में शामिल किया गया है। ऐसे ही मध्य प्रदेश से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को भी कार्य समिति में रखा गया है और साथ ही राहुल गांधी के भरोसे की नेता मीनाक्षी नटराजन को भी सदस्य बनाया गया है। मिजोरम में भी इस साल चुनाव हैं, जहां के पूर्व मुख्यमंत्री ललथनहवला को सीडब्लुसी में शामिल किया गया है और तेलंगाना से नए चेहरे के तौर पर वामशी चंद रेड्डी को सदस्य बनाया गया है। वे युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे हैं।

इस साल के विधानसभा चुनावों के अलावा अगले साल के लोकसभा चुनाव और कांग्रेस संगठन की मजबूती को ध्यान में रखते हुए भी खड़गे ने नए और पुराने सदस्यों का संतुलन बनाया है। उन्होंने महाराष्ट्र पर सबसे ज्यादा तवज्जो दी है क्योंकि वहां शिव सेना और एनसीपी दोनों में विभाजन को देखते हुए कांग्रेस अपना पुराना आधार हासिल करने की राजनीति कर सकती है। इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण और वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक के साथ साथ कुल नौ लोगों को कार्य समिति में रखा गया है। खड़गे ने मराठा, दलित, ब्राह्मण, महिला, पिछड़ा सबका संतुलन बनाया है। दिल्ली और पंजाब व हरियाणा से कांग्रेस एक मैसेज बनवाना चाहती है इसलिए इन तीनों छोटे राज्यों से कई नेताओं को कार्य समिति में जगह मिली है। दिल्ली से अजय माकन, अलका लांबा और देवेंद्र यादव को रखा गया है तो हरियाणा से रणदीप सुरेजवाला, कुमारी शैलजा और दीपेंद्र हुड्डा को कार्य समिति में शामिल किया गया है। पंजाब में कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री और दलित नेता चरणजीत सिंह चन्नी को फिर से महत्व देते हुए सीडब्लुसी में रखा है। पंजाब की राजनीति में इसका असर देखने को मिलेगा।

प्रादेशिक व जातीय संतुलन के अलावा मल्लिकार्जुन खड़गे ने दो संतुलन और बनाए हैं। उन्होंने नए और पुराने नेताओं का बैलेंस बनाया है तो साथ ही नेतृत्व पर सवाल उठाने वाले जी-23 के नेताओं और परिवार के प्रति निष्ठावान रहे नेताओं के बीच भी संतुलन बनाया है।

कन्हैया कुमार से लेकर पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, बीवी श्रीनिवास, सचिन पायलट, अलका लांबा, गौरव गोगोई, दीपेंद्र हुड्डा आदि युवा नेताओं को कार्य समिति में रखा गया है तो एके एंटनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार जैसे बुजुर्ग नेताओं को भी रखा गया है। जी-23 में शामिल रहे शशि थरूर, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा को कार्य समिति में शामिल करके खड़गे ने यह मैसेज दिया है कि पार्टी नेताओं की असहमति का भी सम्मान करती है। आंतरिक लोकतंत्र को लेकर इससे एक अच्छा मैसेज जाएगा। कुल मिला कर खड़गे ने एक अच्छी टीम बनाई है लेकिन राजनीति में किसी भी टीम की परख उसकी परफारमेंस और नतीजों से होती है। सो, आगे आने वाले चुनावों से पता चलेगा कि खड़गे की टीम कितनी कारगर है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एमएम वैली स्थित सरकारी स्कूल के सामने खुले गटर के कारण कभी भी घट सकती है प्राणघातक दुर्घटना

कौन होगा जिम्मेदार, शिक्षण विभाग या ठाणे मनपा प्रशासन?

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान मुंब्रा। बड़े दुर्भाग्य की बात है की एम एम वैली परिसर में मुंब्रा प्रभाग समिति का कार्यालय उपस्थित है और वरिष्ठ अधिकारियों का गुर्जर इसकी सड़क से होता है लेकिन टीएमसी के अधिकारियों को आखिर खुला गटर नजर क्यों नहीं आ रहा है क्या अधिकारी आंखों पर पट्टी बांधकर इस सड़क से गुजरते हैं आपको बताते चली कौसा स्थित एमएमवैली परिसर में सरकारी स्कूल के सामने यह खुला गटर मौजूद है जहां पर सैकड़ों की तादाद में बच्ची शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं और इसी सड़क से इनका आना जाना लगा रहता है और छोटे

बच्चे अक्सर खेलकूद करते हुए भी नजर आते हैं अगर ऐसे खुले गटर के कारण किसी बच्चे की जान चली जाती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा शिक्षण विभाग या ठाणे मनपा प्रशासन वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूल से कुछ कदम दूर मैस्को स्कूल भी है लेकिन बच्चों के प्रति सुरक्षा को देखते हुए गटर को स्लैब से बंद कर दिया गया है ताकि किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना घटे और वही सरकारी स्कूल के पास गटर खुले पड़े हैं इससे समझा जा सकता है जिस तरह से सरकारी स्कूल की हालत लच्चर अवस्था में है इस तरह की हालत गटर की भी है इतने बड़े गटर को भी स्लैब से बंद तक नहीं किया गया लावारिस की तरह खुला छोड़ दिया जाए तो मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त बालू पिचड़ से निवेदन किया जाता है कि कृपया खुले गटर का संज्ञान ले और जल्द उस पर स्लैब डालकर खुले गटर को बंद कर दे ताकि भविष्य में किसी प्रकार की बच्चों को लेकर कोई दुर्घटना का मामला सामने ना आए।

कल्याण लोकसभा सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे द्वारा पारित की गई साढे तीन करोड़ निधि के कारण सम्राट नगर से लेकर गांव देवी तक सड़क का कार्य 80% संपूर्ण 20% बाकी काम का प्रारंभ

जिसको लेकर स्थानीय रहिवासियों द्वारा पूर्व नगरसेवक राजन कीने और मोरेश्वर कीने समेत कई समाजसेवकों का किया गया सम्मान सत्कार

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान मुंब्रा। सम्राट नगर से गांव देवी परिसर तक जाने वाले सड़क का निर्माण कार्य कल्याण लोकसभा सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे द्वारा पारित की गई साडे तीन करोड़ की निधि से तीन महीने पहले सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया था जिसमें 80% का समापन हुआ है और 20% बाकी कार्य शुरू किया गया जिसको लेकर स्थानीय रहवासी द्वारा पूर्व नगरसेवक राजन कीने और मोरेश्वर कीने समेत कई समाज सेवकों का सम्मान सत्कार किया गया इस अवसर पर राजन कीने ने जानकारी देते हुए बताया की सम्राट नगर परिसर से लेकर गांव देवी परिसर तक की सड़क का निर्माण कार्य कल्याण लोकसभा सांसद डॉ

श्रीकांत शिंदे द्वारा पारित की गई निधि के कारण हुआ है जिसका 80% काम हुआ है 20% बाकी है जिसकी शुरूआत की गई है उन्होंने जानकारी देते हुए बताया यह सड़क बहुत छोटी थी जिसके कारण गांव देवी से सम्राट नगर की ओर आने पर कई लोग गिर जाते थे बीते एक वर्ष पूर्व इसी सड़क पर दुर्घटना के कारण एक मौत का मामला भी सामने आया था जिसके बाद मैंने डॉ श्रीकांत शिंदे से इस सड़क को लेकर निधि की मंगनी की थी जो कि उनके द्वारा पूरी की गई और आज यह सड़क का काम संपूर्ण होने आया है इस परिसर में पहले पानी की काफी दिक्कत हुआ करती थी 15 वर्षों से लोग पानी बेचने का काम किया करते थे लेकिन अब पानी माफियाओं पर प्रतिबंध लग चुका है और बहुत जल्द वाटर रिमोल्डिंग लाइन डाली जाएगी इसके बाद पानी की जो बची समस्या है वह भी खत्म हो जाएगी 10 एमएलडी पानी इस परिसर में बढ़ाया जाएगा पानी जैसी ही आएगी वैसी ही लाइन भी डाल दी जाएगी और उसके बाद यहां के रहवासियों को पानी की समस्या से समाधान मिलेगा इस सम्मान सरकार समारोह में पूर्व नगरसेवक राजन कीने, मोरेश्वर कीने, आरिफ हाशमी, रिदा रशीद समेत सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे जिसके बाद परिसर के रहवासियों में खुशी का माहौल उमड़ आया था।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अजित दादा के सख्त तेवर

रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री व एनसीपी के कद्दावर नेता अजित पवार ने शुक्रवार को एक मीटिंग के दौरान सीएम शिंदे से कलवा अस्पताल में मरीजों की मौत पर सीधे सवाल पूछे। अजित दादा ने मंत्रियों के सामने ही कथित तौर पर मुख्यमंत्री से कहा, आपके ठाणे में इतनी मौतें कैसे हो गईं। इसके बाद जब शिंदे भी उसी अंदाज में पवार को जवाब देने लगे तो बगल में बैठे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हालात संभाला और मामले में हस्तक्षेप कर उनकी बातचीत को अलग रुख दे दिया। महाराष्ट्र के मंत्रियों की शुक्रवार को बैठक बुलाई गई थी। जिसमें सीएम शिंदे की अगुवाई में राज्य के विभिन्न मुद्दों, योजनाओं और निर्णयों को लेकर चर्चा चल रही थी। इस दौरान अजित पवार ने ठाणे के कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में हुई मौतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने सीएम से कहा, घटना गंभीर है। इस मामले से सावधानी से निपटना चाहिए। समझा जाता है कि बैठक में मौजूद अन्य मंत्री अजित पवार के इस तेवर को देख कुछ देर के लिए हैरान रह गए। हालांकि सीएम शिंदे ने पवार को ठाणे अस्पताल में हुई घटना की पूरी जानकारी दी। मरीजों की मौत कैसे हुई? कितने मरीज गंभीर हालत में थे, कितने मरीज अंतिम समय में अस्पताल आए? अस्पताल पर दबाव कितना है आदि सभी जानकारियां दी। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। खबर है कि फडणवीस को जब यह अहसास हुआ कि कहीं यह विषय कोई अलग मोड़ न ले ले, उन्होंने तुरंत दूसरा मुद्दा उठाया। जिससे शिंदे और पवार की चर्चा की दिशा बदल गई। हालाँकि, अजित पवार के सीधे राज्य के मुखिया से पूछे गए सवाल से शिवसेना के मंत्री, विधायक नाखुश हैं।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा

रायगढ़ के एसपी सोमनाथ घरगे के मुताबिक, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खोपोली के पास हुए हादसे में कम से कम दो की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए है। हादसा आज सुबह साढ़े 9 बजे के करीब उस वक्त हुआ जब पुणे से मुंबई आने वाली लेन पर एक कंटेनर पलट गया। जिसके कारण पुणे की ओर से आने वाली लेन कुछ समय के लिए बाधित हो गई। घायलों को कामोठे के एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ की पीड़ितों की हालत गंभित बताई जा रही है। एक अन्य दुर्घटना में, रविवार सुबह मुंबई में बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर एक किशोर ने मर्सिडीज को टक्कर मार दी। दरअसल किशोर जिस कार को चला रहा था, वह उसके नियंत्रण से बाहर हो गई थी। इस हादसे में दो व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान 19 वर्षीय कॉलेज छात्र जय बनसोडे के तौर पर हुई है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। ठाणे के भयंदर निवासी बनसोडे अपने रिश्तेदार की कार चला रहा था। सी-लिंक पर कार को टक्कर मारने के बाद वह मौके से भाग गया था। हालांकि, पुलिस ने कहा कि घटना के समय बनसोडे नशे में नहीं था। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बनसोडे को तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि दोनों खतरे से बाहर हैं।

उद्धव ठाकरे और संजय राउत को मानहानि केस में राहत

आज की सुनवाई में खुद उद्धव ठाकरे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है और स्पष्ट कहा कि इस मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वहीं इस मामले में सह आरोपी शिवसेना (उद्धव गुट) नेता संजय राउत खुद कोर्ट में पेश हुए. दोनों नेताओं की तरफ से कोर्ट के समक्ष अपनी जमानत अर्जी पेश की गई। इसके बाद 15-15 हजार रुपये के मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी गई। मामले की अगली सुनवाई 14 सितंबर को होगी और उस वक्त भी ठाकरे और राउत को पेश होना होगा। हालांकि उद्धव ठाकरे को स्वास्थ्य के कारण शारीरिक उपस्थिति से छूट दी गई है। लेकिन अगली सुनवाई में वह फिर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल होंगे।

शख्स ने मां के सामने ही 12 साल की बच्ची को उतारा मौत के घाट, चाकू से किए कई वार

मुंबई। महाराष्ट्र में आये दिन अपराध बढ़ते ही जा रहे है। ऐसे में अब मुंबई के कल्याण इलाके से एक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। दरअसल यहां एक 12 साल की बच्ची की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हैरान करने वाली बात यह भी है कि एकतरफा प्यार में सिरफिरे आशिक ने बच्ची को उसके मां के सामने ही मौत के घाट उतार। मिली जानकारी के मुताबिक, लड़की की तरफ से बार-बार युवक द्वारा भेजे जा रहे प्रेम प्रस्ताव का विरोध किया जा रहा था। रिजेक्शन के बाद भी युवक पीछे नहीं हटा। जब मृतका नहीं मानीं तो धारदार चाकू से गोदकर मां के सामने ही उसकी हत्या कर दी गई। जानकारी के लिए आपको बता दें कि आरोपी युवक को मौके से ही पकड़ लिया गया। पुलिस के मुताबिक हत्यारे के पास से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया है। ऐसे में अब इस दिल दहला देने वाली घटना के बारे में बताया जा रहा है कि कुल 10 बार मृतका पर चाकू से वार किया गया। फिर इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद वो मौके से फरार होने की फिराक में था, हालांकि स्थानीय लोगों ने उसे धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक मृतका अपनी मां के साथ कहीं जा रही थी। तभी आरोपी उसके सामने आ धमका। वो हत्या की पूरी तैयारी के साथ वहां आया था , और उसने इस घटना को अंजाम भी दिया। ऐसे में अब जानकारी सामने आ रही है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी उम्र 20 साल बताई जा रही है।

एंटी करप्शन इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने मनाया स्थापना दिवस

मुंबई हलचल/सुरेश कोहली

पटौदी। एंटी करप्शन इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो का दूसरा स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमे संस्था के जिला स्तर के पदाधिकारी करण सिंह लखेरा व वरिष्ठ सलाहकार मास्टर सुरेन्द्र चौहान की अध्यक्षता में संस्था के दूसरे स्थापना दिवस पर पटौदी के सिविल हॉस्पिटल में कार्यरत नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुशांत शर्मा को कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी अवॉर्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉक्टर सुशांत ने बताया कि देश व समाज में सामाजिक संस्थाओं का बहुत ज्यादा योगदान है जो गरीब व असहाय की मदद के लिए हमेशा आगे रहती है। इस अवसर पर युवा समाजसेवी मास्टर सुरेन्द्र चौहान, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष डॉ. राजू खान कई लोग मौजूद रहे।

अपराधियों पर लगातार हावी आईपीएस प्रमोद का कर्तव्य पथ : आर्मी अफसर बन ठगी करने वाले गिरफ्तार

सुनील बाजपेई

कानपुर। अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले यहां की सेंट्रल पुलिस ने एक ऐसे शातिर गिरोह का भंडाफोड़ करने में सफलता प्राप्त की है, जो आर्मी अफसर बनकर नौकरी लगवाने का झांसा देकर लोगों को अपना शिकार बना रहा था। सेंट्रल जोन के डीसीपी आईपीएस प्रमोद कुमार ने पत्रकारों को बताया कि स्वरूप नगर पुलिस द्वारा पकड़े गए तीनों शातिर ठगों के पास से एक एयर पिस्टल और एनसीसी का बी सर्टिफिकेट समेत बड़ी मात्रा में फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। ठगों के इस शातिर गिरोह के बारे में मिलिट्री इंटेलिजेंस द्वारा भी सूचित किए जाने की जानकारी देते हुए सभी संगीन घटनाओं के सटीक खुलासे के साथ ही हर तरह के अपराधियों की गिरफ्तारी के मामले में भी अव्वल डीसीपी सेंट्रल प्रमोद कुमार ने बताया कि सिक लाइन गडरिया पुरवा थाना फजलगंज निवासी हिमांशु शर्मा पुत्र राजू शर्मा शास्त्री नगर काकादेव और यहीं के रहने वाले आदित्य राजपूत अभिताभ ढाई सौ से अधिक युवाओं को नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी का शिकार बना चुके हैं। कुल मिलाकर नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले इस शातिर गिरोह के सटीक खुलासे से न जाने कितने बेरोजगार युवा ठगी का शिकार होने से बच गए है। खास बात यह है कि इस तरह के शातिर ठगों और अपराधियों आदि की गिरफ्तारी का यह मामला पहला नहीं है। देश प्रदेश के कर्तव्यनिष्ठ और इमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के बेहद तेज तर्रार और व्यवहार कुशल यहां सेंट्रल जोन के डीसीपी आईपीएस प्रमोद कुमार इसके पहले भी जिन भी जनपदों में पोस्ट रहे हैं। वहां भी अपराधी माफियाओं को भरपूर सबक सिखाते हुए सभी संगीन घटनाओं का भी खुलासा करने में इसी तरह से सफल रहे हैं, जिसका स्पष्ट प्रमाण उनका दक्षिणी जोन का कार्यकाल भी है। अवगत कराते चलें कि सेंट्रल जोन का डीसीपी बनाए जाने के पहले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने वाले जुझारू आईपीएस प्रमोद कुमार का दक्षिणी जोन का भी कार्यकाल पीड़ितों की सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के मामले में हर दृष्टिकोण से अग्रणी रहा है और अब उनकी इसी परिश्रमपूर्ण कर्मठता का भरपूर लाभ सेंट्रल जोन को भी मिल रहा है। जिसका स्पष्ट प्रमाण है, अब तक की सभी घटनाओं का सटीक खुलासा और हर तरह के अपराधियों को जेल भेजने के जारी सिलसिले से और मजबूत होती शांति और कानून व्यवस्था के फलस्वरुप राहत की सांस लेती सेंट्रल जोन की जनता।

ईश्वर विश्वासी पर आए पहाड़ समान दुख राई के बराबर हो जाते हैं : आचार्य महेन्द्र भाई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान वेद प्रचार परिषद एवं केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के नेतृत्व में ज्ञानखंड 1,इन्दिरापुरम में युवा संस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यज्ञ करके बच्चों ने माँस,अंडा,नशा आदि दुर्व्यसन त्यागने की प्रतिज्ञा ली और यज्ञोपवीत धारण किया। आचार्य महेन्द्र भाई के ब्रह्मत्व में यज्ञ सम्पन्न हुआ। उन्होंने युवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा जीवन को बर्बाद कर देता। उन्होंने कहा की ईश्वर पर विश्वास करने से लाभ ही लाभ है स्वामी दयानंद ने भी यही कहां है ईश्वर पर विश्वास करने से पहाड़ जैसी मुसीबत राई के बराबर हो जाती है ईश्वर पर विश्वास ना होने के कारण आज आत्महत्याऐं बढ़ी हैं, इसलिए उसे मानना आवश्यक है,लाभकारी है, समझदार लोगों की यही पहचान है,यही धर्म है,उन्होंने आगे कहा कि आपके प्रिय जनों में यदि कोई कमियां हो इस कारण उनसे द्वेष मत करो अपितु स्वयं में परिवर्तन लाओ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रमोद चौधरी ने कहा कि यज्ञोपवीत ज्ञान ग्रहण करने का बाह्य चिह्न है इसीलिए इस समय जिन लोगों ने यज्ञोपवीत नहीं धारण किया हुआ है,उन्हें नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिए।अर्थात इस बात का संकल्प करना चाहिए कि वे अज्ञान, अंधकार से बाहर निकलेंगे और और ज्ञानवान होकर परिवार, समाज,राष्ट्र को प्रकाशित करेंगे।

वक्फ बोर्ड चेयरमैन डॉ खानु खान का फिर से पुतला जलाया, कमेटी नहीं बनने पर बड़े आंदोलन की धमकी दी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजधानी जयपुर की मस्जिद रेजीडेंसी का मामला फिर से तूल पकड़ गया है, पिछले छह महीने से सरकार कमेटी गठन की मांग करने के बाद फिर से स्थानीय लोग आंदोलन पर उतारू हो गए और वक्फ बोर्ड चैयमैन के पुतले को जूते की माला पहना कर पहले रैली निकाली और उसके बाद पुतले का दहन कर दिया दिया, पुतला दहन के बाद स्थानीय लोगों ने सरकार से नाराजगी जाहिर करते हुए खुले तौर पर कांग्रेस का वोट बहिष्कार की चेतावनी दी है और कहा है कि जिस सरकार में इतनी शर्म नहीं कि वो अपने वादे न निभावे उसका क्या किया जाए। छह महीने पहले फरवरी में करीब 106 दिन की बुजुर्गों की सामूहिक भूख हड़ताल के बाद सरकार एक महीने में मस्जिद स्थानीय और नई कमेटी बनाने का ऐलान किया था, खुद कैबिनेट मंत्री इसमें शामिल थे। अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष ने वादा किया था, जिसमें कमेटी बनाने और मस्जिद से अतिक्रमण हटाने की मांग थी, लेकिन सरकार पिछले छह महीने से वादा पूरा करने में आना-कानी करती रही। कई बार ज्ञापन देने के बाद भी सरकार की ओर से कोई राहत नहीं दी गई, इससे स्थानीय लोगों ने बेहद नाराजगी जाहिर करते हुए आज फिर से सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है। लोगों का कहना है कि सरकार खुद का संवदेनशील बताती है लेकिन यहां सबके सामने खुले में है कि हमारी जायज मांग पर ये लोग क्या काम कर रहे हैं और किस तरह आम आदमी परेशान कर रहे हैं। उक्त जानकारी क्षेत्रिय पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

सनातन हमारा गौरव है की चेयरमैन श्रीमती के. बी. सुखवाल ने कैडबरी और चॉकलेट के बजाय भारतीय मिठाइयां अपनाने की अपील की

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। देश में लोगों के बीच कुछ मीठा हो जाए के नाम पर चॉकलेट और कैडबरी के रूप में तीन महीने पुरानी बासी और प्रिजर्वेटिव नामक जहर युक्त चॉकलेट परोसी जा रही हैं जो बहुत ही घातक है। सुखवाल ने इससे लोगों से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश भर में स्वादिष्ट पकवान और अच्छी अच्छी मिठाइयां उपलब्ध है लोगों को कैडबरी के बजाय भारतीय मिठाइयां अपनाकर अपने स्वास्थ्य की तरफ विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब देश में चूंदी, खीर, बर्फी, घेवर, चूरमा, रबड़ी, रेवड़ी, फीणी, जलेबी, आम रस, कलाकंद, रसगुल्ला, रसमलाई, नआनखटआई, मावा बर्फी, पूरण पोली, मगज पाक, मोहन भोग, मोहन थाल, खजूर पाक, मीठी लस्सी, गोल पापड़ी, बेसन लड्डू, शक्कर पारा, मक्खन बड़ा, काजू कतली, सोहन हलवा, दूध का शर्बत, गुलाब जामुन, गोंद के लडडू, नारियल बर्फी, तिलगुड़ लडडू, आगरा का पेठा, गाजर का हलवा, 50 तरह के पेडे, 50 तरह की गजक, 20 तरह का हलवा, 20 तरह के श्रीखंड। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक तरह की मिठाइयां बनाने वाले देश में 'कुछ मीठा हो जाये' के नाम पर केवल 'चॉकलेट' और कैडबरी. और वो भी 3 माह पुरानी , साथ में 5% प्रिजरवेटीव नामक जहर फ्री में दिया जा रहा है। ऐसे में जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली इस चाकलेट से परहेज करते हुए जहां एक संभव हो इससे बचना चाहिए।

सुमय्या अली राष्ट्रीय समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पुणे में प्रेस मीडिया लाइव की ओर से सुमय्या अली इन्हें राष्ट्रीय समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया यह पुरस्कार कार्यक्रम पुणे के आजम कैंपस में आयोजित किया गया था सुमय्या अली इन्होंने बहोत सारे क्षेत्र में अनमोल कामगिरी करते हुए सुमय्या अली इन्होंने आज तक किए हुए बड़े-बड़े कामों की दखल लेते हुए इन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया कार्यक्रम के आयोजको की ओर से सुमय्या अली इनके कामों पर प्रकाश भी डाला गया यह पुरस्कार जेष्ट विचारवंत मा. डॉक्टर कुमार सप्तर्षी, मा. आमदार मोहन जोशी इस प्रकार से कुलगुरु डॉक्टर पी ए इनामदार ईनके हाथों प्रदान किया गया इस समय मंच पर प्रमुख अतिथि उपस्थित होथे इस कार्यक्रम का आयोजन प्रेस मीडिया लाइव की ओर से किया गया था इस कार्यक्रम के अध्यक्ष आमदार मोहनजोशी थे कार्यक्रम का संचालन फिरोज मुल्ला इन्होंने किया तो आभार प्रदर्शन महबूब खान इन्होंने किया कार्यक्रम में महिला व पुरुष सैकड़ो की संख्या में उपस्थित थे पुरस्कार मिलने के बाद सुमय्या अली इनका सभी ओर अभिनंदन हो रहा है।

ऑल इंडिया कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की बैठक आयोजित की गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। दिल्ली के करोल बाग के आनंद होटल पैलेस में ऑल इंडिया कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की बैठक रविवार 20 अगस्त को आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय संरक्षक भरत बेनीवाल का 16 राज्यो के प्रतिनिधि मंडल द्वारा स्वागत सत्कार किया। बैठक में समस्त प्रदेशाध्यक्षों ने कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स का नियमित कैडर निर्माण कर पूरे देश के सीएचओ को स्थाई करने की मांग को प्रमुखता से रखा ! साथ ही विभिन्न राज्यों से आये विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के द्वारा एक देश- एक कैडर - एक वेतन की मांग को रखा। राष्ट्रीय संरक्षक बेनीवाल ने बताया कि सम्पूर्ण भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के द्वारा केंद्र सरकार के द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरे देश में लगभग एक लाख दस हजार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को मिड लेवल हेल्थ वर्कर (एमएलएचपी) कैडर मे कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को उप स्वास्थ्य केंद्रों को परिवर्तित कर आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर सविदा पद पर पंचीस हजार बेसिक वेतन और पन्द्रह हजार पीबीआई प्रति माह वेतनमान के साथ पदस्थापित किया गया है । समस्त प्रदेशाध्यक्षों की सहमति से ऑल इंडिया स्तर पर कोरम का गठन किया गया जिसमें समस्त संगठनों के मुखिया को शामिल किया गया। बैठक के माध्यम से समस्त राज्यो मे व्याप्त वेतनमान की असमानताओं को दुरुस्त करवाने की मांग को लेकर आगामी विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली में कैडर निर्माण और स्थायीकरण की मांग को लेकर संयुक्त रूप से आंदोलन किया जाएगा। बैठक में राजस्थान प्रतिनिधि मंडल पंकज यादव, चांदमल रेगर, छोटू लाल रेगर, ब्रजभूषण मीणा ,उत्तरप्रदेश प्रदेशाध्यक्ष सनक सिंह, गुजरात सनक शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रफुल्ल भाई,सौरभ, देव तोमर, मध्यप्रदेश मोनिका आदि पंजाब, हरियाणा, मिजोरम, मेघालय,उत्तराखंड, दमन द्वीप,आदि राज्यों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। उक्त जानकारी मांडलगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी चांद मल रैगर ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

हुसैनी लँगर लगाकर देश मे अम्नो अमान की मुस्लिम महासभा ने मांगी दुआएँ

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। कांकरोली के सन्तोषी नगर स्थित मुस्लिम महासभा के ब्लॉक अध्यक्ष सैय्यद अशरफ अली द्वारा ईमाम हुसैन की याद में हुसैनी लँगर का दलीम की देगे बनवा कर ईमाम हुसैन के नाम की फातिहा दिलाकर मुल्क में अमन चैन के वास्ते दुआ की गई इस दौरान मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार,महासभा उदयपुर के ईस्माइल खान पठान, इरसाद खान पठान,सरफराज खान, जीशान खान,सत्तार शाह,हाजी रफीक खान,इकबाल खान,नदीम भाई, सदाकत खान,इम्तियाज अली,अख्तर अली,इस्तियाक अली,शमीम खान,चाँदनी अली,शबाना अली,शबनम अली,सरीना खान,नाजिया खान,साजिया खान आदि मौजूद रहे।

सभी धर्मा के प्रतिभाओं भामाशाहो समाज सेवियों का राज्य पुरस्कार सम्मान समारोह हुआ संपन्न

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद। राजसमंद शाह मानव अधिकार आयोग सुरक्षा मंच के तत्वाधान में रविवार को तुलसी साधना शिखर में गरिमा पूर्ण राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह संपन्न हुआ समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष हागामी लाल मेवाड़ा, अध्यक्षता प्रमुख शिक्षाविद प्रकाश चौधरी, विशिष्ट अतिथि शोयम, भामाशाह पारस ओसतवाल थे। कार्यक्रम में लगभग 250 सौ से अधिक प्रदेश भर से आई प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया कार्यक्रम की शुरूआत संस्था के महासचिव विमल चौहान ने संस्था के उद्देश्यों ,विकास कार्यो का लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए बताइए की संस्था अब तक 4000 से अधिक कन्याओं का विवाह करवा चुकी है राष्ट्रीय अध्यक्ष रफीक भाई साहब का कहना कि संस्था गरीब छात्राओं के अध्ययन हेतु निःशुल्क मेडिकल शिविर ,पर्यावरण संतुलन हेतु सघन पौधारोपण के तहत प्रदेश में एक लाख पौधे लगा रही है तथा यह काम बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मेवाडा ने कहा कि एक ही मंच पर संस्था विभिन्न समाज की प्रतिभाओं का सम्मानित करना गर्व की बात है समाज सभी से मिलकर बनता है उन्होंने संस्था के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की कार्यक्रम में पांच विश्व रिकार्ड बनाने वाले जयपुर के राम सिंह जिन्होंने विश्व की सबसे छोटी गीता उतकिरण की है जिन्हे सम्मानित किया गया, उनमे मीडिया एक्शन फोरम के संस्थापक अनिल सक्सेना, सर्वश्रेष्ठ स्काउटर मोहन सिंह चौहान व्यावर, गौशाला अध्यक्ष दिनेश सोनी, आयुर्वेदिक क्षेत्र में कार्य करने वाले सुरेश पारीक, महावीर इंटरनेशनल के राम प्रसाद मेवाड़ा, मान सिंह रावत, आदर्श शिक्षक रमेश आमेटा राजसमंद, देवगढ़ की समाज सेवी भावना, प्रियंका, रेहाना बुजुर्गों की देखरेख करने वाली नंदिनी शर्मा सहित सर्वाधिक अंक हासिल करने वाली छात्र-छात्राओं राज्य में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों सहित 100 से अधिक प्रतिभाओं 150 से अधिक समाजसेवियो, भामाशाहों को सम्मानित किया गया प्रदेश प्रभारी रफीक सलावट ने बताया कि इस सफल आयोजन के लिए विगत दो माह से कार्यकताओं के अथक प्रयास में कड़ी मेहनत का परिणाम है आयोजन रफीक शाह राजनगर, आशिक शाह देवगढ़जेड शराफत हुसैन मीडिया प्रभारी, पप्पू पहलवान, रहीस भाई, हैदर हुसैन, सलमा बानो, आरिफ कुरैशी, हकीम खां,कालू राम खटीक, रामलाल गुर्जर, राजेश प्रजापति सहित राष्ट्रीय संस्थानों की प्रतिनिधियों ने अतिथियों को माल साफा ,पहनकर व स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया अंतर्राष्ट्रीय कलाकार इकबाल भाई ने सैक्सोफोन पर राष्ट्रीय गीतों से ओत प्रोत गीत प्रस्तुत कर स्रोतों को बंदे रखा वही व्यावर के सुविख्यात राष्ट्रीय मंच संचालक ओम जी महावर ने बेहतरीन संचालन कर सभी का चुटकुलों के माध्यम से स्वस्थ मनोरंजन किया कार्यक्रम के पश्चात सुरुचि भोज का भी आयोजन किया गया राजसमंद में इस तरह का यह पहला व अनूठा आयोजन रहा।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरकार ने किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच रखी अपनी बात

प्याज निर्यात शुल्क, दाम को काबू में रखने समय पर उठाया गया कदम

मुंबई हलचल / संवाददाता

प्याज निर्यात पर लगाए गए 40 प्रतिशत शुल्क के खिलाफ महाराष्ट्र के नासिक जिले में कई स्थानों पर किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच सरकार ने यह कहा है। व्यापारी भी शुल्क लगाए जाने के विरोध में हैं।

सरकार ने सोमवार को कहा कि प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का निर्णय घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए समय पर उठाया गया कदम है।

- व्यापारी भी शुल्क लगाए जाने के विरोध में
- सरकार बफर स्टॉक का प्याज जारी कर हस्तक्षेप करेगी
- घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने व खुदरा कीमतों को नियंत्रित रखने किया गया

घरेलू उपलब्धता बढ़ेगी

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने बताया, 'प्याज पर निर्यात शुल्क लगाना कोई समयपूर्व लिया गया निर्णय नहीं है। बल्कि घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए यह समय पर किया गया फैसला है।'

मांग होने पर जारी किया जाएगा स्टॉक

सिंह ने कहा कि परिस्थिति की मांग होने तक सरकार चुनिंदा राज्यों में थोक और खुदरा दोनों बाजारों में बफर स्टॉक का प्याज जारी कर मामले में हस्तक्षेप करेगी। केंद्र ने शनिवार को कीमत में वृद्धि के संकेतों के साथ-साथ निर्यात में वृद्धि के बीच प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया।

लासलगांव सबसे बड़ा थोक प्याज बाजार

इसमें लासलगांव भी शामिल है, जो भारत में सबसे बड़ा थोक प्याज बाजार है। हालांकि, एपीएमसी सूत्रों ने कहा कि प्याज की नीलामी विंचूर में हुई, जो उसी जिले में है। निर्यात शुल्क लगाने के अलावा, केंद्र सरकार ने रविवार को घोषणा की कि वह इस साल कुल पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाए रखने के लिए दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी।

अप्रैल से अगस्त के बीच 9.75 लाख टन निर्यात

इस वित्त वर्ष में एक अप्रैल से चार अगस्त के बीच देश से 9.75 लाख टन प्याज का निर्यात किया जा चुका है। मूल्य के लिहाज से शीर्ष तीन आयातक देश बांग्लादेश, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात हैं। इससे पहले दिन में, व्यापारियों ने नासिक जिले की सभी कृषि उपज बाजार समितियों (एपीएमसी) में प्याज की थोक बिक्री अनिश्चित काल के लिए बंद करने का फैसला किया।

पांच राज्यों में पहले जारी किया जा रहा प्याज

सिंह ने कहा कि फिलहाल सरकार दिल्ली, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और असम में बफर स्टॉक से प्याज जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में दिल्ली-एनसीआर में 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर 2,500 टन प्याज बेचा गया। केंद्र का निर्णय प्याज निर्यात में वृद्धि से भी प्रेरित था।

कीमत 40 रुपए किलोग्राम तक पहुंच गई : पहली बार प्याज पर निर्यात शुल्क लगाने के फैसले का उद्देश्य त्योहारों से पहले रसोई की मुख्य सब्जी, प्याज की कीमतों को काबू में रखना है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें लगभग 40 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

सूक्ष्म उद्यमियों को 5 लाख रुपए का सुरक्षा कवच देने वाला पहला राज्य बना यूपी, 27 लाख ने कराया पंजीयन

मुंबई हलचल / संवाददाता

यूपी जीएसटी पंजीकरण के दायरे से बाहर सूक्ष्म उद्यमियों को पांच लाख रुपये का सुरक्षा कवच देना वाला देश का पहला राज्य बन गया है। विश्व उद्यमिता दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सीएम सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना योजना का शुभारंभ किया। इस योजना से प्रदेश के करीब 90 लाख छोटे उद्यमियों को सीधा फायदा होगा।

90 लाख एमएसएमई उद्यमियों को योजना का मिलेगा लाभ

लोकभवन में विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश से सैकड़ों उद्यमियों की मौजूदगी में सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना योजना का शुभारंभ सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। सीएम ने कहा कि इस दिवस के साथ सावन का सोमवार और नागपंचमी का त्योहार भी है। नागपंचमी जीव जंतुओं और प्रकृति के प्रति प्रेम व हर व्यक्ति के अंदर छिपी आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है। उद्यमी अपनी इसी शक्ति के दम

पर अपनी अद्भुत कला के जरिए इकाई की स्थापना करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के 96 लाख एमएसएमई उद्यमियों में 97 फीसदी सूक्ष्म हैं। उनके उद्यम में 5 करोड़ से कम की पूंजी और सालाना टर्नओवर 40 लाख से कम है। उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं थी जो आज से मिलेगी। अब प्रदेश के 90 लाख एमएसएमई उद्यमियों को 5 लाख के बीमा का लाभ मिलेगा लेकिन इसका लाभ लेने के लिए पंजीकरण जरूर कराएं। अभी 27 लाख ने पंजीकरण कराया है। 40 लाख से ज्यादा टर्नओवर वाले कारोबारियों ने पहले ही 10 लाख का बीमा करा रखा है, जिसका लाभ मिल रहा है।

यूपी में कानून और सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद

सीएम ने कहा कि यूपी देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है। इसके बावजूद निवेशक यहां आना नहीं चाहते थे। लोग यहां आने से डरते थे। यूपी का नाम सुनकर लोगों में भय पैदा होता था। बीते वर्षों में कानून और सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद की गई। कानून तोड़ने वालों को जेल भेजा गया। हर प्रकार के माफिया राज को समाप्त किया। लोगों में शासन, प्रशासन और पुलिस के प्रति भरोसा पैदा किया।

यूपी निवेश फ्रेंडली राज्य

उन्होंने कहा कि इस प्रमाण नीति आयोग और आरबीआई की रिपोर्ट को देखने से पता चलता है कि जिसमें बताया गया है कि छह वर्ष में यूपी देश का सर्वाधिक निवेश वाला राज्य बन गया है। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं रह गया है। अब देश और दुनिया में प्रदेश की पहचान निवेश फ्रेंडली राज्य के रूप में है। इस अवसर पर तीन जिलों में प्लेज पार्क स्थापित करने वाले लाभान्वितों को करीब 12 करोड़ रुपये की चेक देकर सम्मानित किया। प्लेज पार्क की स्कीम देश की पहली स्कीम है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जानिए, नाश्ते में दूध पीना फायदेमंद है या नहीं

ब्रेकफास्ट हमारे दिन का सबसे महत्वपूर्ण मील है। ऐसे में इसमें पौष्टिक चीजों को शामिल करना बहुत जरूरी है ताकि पूरा दिन शरीर एनर्जेटिक रहें। कुछ लोग नाश्ते में रोजाना दूध पीते है लेकिन जरूरी नहीं यह हर किसी के लिए फायदेमंद हो। कई लोगों को यह नुकसान भी पहुंचाता है। एक कप दूध में 8 ग्राम प्रोटीन होता है। ऐसे में दूध पीने के बाद पेट भरा महसूस होता है। इसमें मौजूद प्रोटीन हड्डियों, मांसपेशियों और प्रतिरक्षा तत्वों का निर्माण करने में मदद करता है लेकिन खाली पेट इसे पीने से यह पचने में अधिक समय लेता है। अगर आप नाश्ते में दूध शामिल करना चाहते हैं तो इसे बनाना शेक या मेगो शेक के तौर पर ले सकते है।

किन लोगों के लिए नाश्ते में दूध पीना हैं फायदेमंद

जिन लोगों की पाचन शक्ति मजबूत हो उनके लिए सुबह नाश्ते में दूध पीना फायदेमंद होता है। वहीं, सुबह दूध में तुलसी मिलाकर पीने से कई सेहत संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इसमें चीनी मिलाकर पीएं। इससे दूध में मौजूद कैल्शियम हड्डियों तक आसानी से पहुंचेगा।

दूध पीने के नुकसान

अगर आपको पाचन संबंधित समस्या है तो खाली पेट भूलकर भी न दूध पीएं। खाली पेट दूध पीने से आपको गैस और कब्ज जैसी प्रॉब्लम हो सकती है। एक शोध के मुताबिक, दूध की वजह से महिलाओं की हड्डियों में फ्रैक्चर होने के चांस बढ़ जाते है। दिन में तीन से ज्यादा गिलास दूध पीना भी सेहत के लिए हानिकारक है। इसमें मौजूद फैट हड्डियां कमजोर करने का कारण भी बनता है।

किस समय पीना चाहिए दूध

बुजुर्गों के लिए दोपहर के समय दूध पानी फायदेमंद होता है। वहीं, अगर आप रात को इसका सेवन करते हैं तो इससे नींद भी अच्छी आएगी और दिनभर की थकान भी दूर होगी। खाने के साथ दूध का सेवन न करें।

चिकन पॉक्स के दाग खूबसूरती को कर रहे हैं फीका तो अपनाएं ये घरेलू उपाय

चिकन पॉक्स की समस्या ज्यादातर गर्मियों में देखने को मिलती है। इसे आम भाषा में कुछ लोग माता भी कहते हैं। यह वेरिसेला जोस्टर वायरस के कारण होने वाली संक्रामक बीमारी है। इस समस्या के होने पर शरीर चेहरे से लेकर पूरे शरीर पर छाले, फफोले जैसे दाने हो जाते हैं। इसके अलावा चिकन पॉक्स होने पर शरीर पर खुजली, थकान और बुखार होने लगता है। चिकन पॉक्स ठीक होने के बाद कई बार चेहरे पर दाग रह जाते हैं जिसके कारण चेहरे की ब्यूटी खराब हो जाती है। अगर आप भी इन दागों के कारण परेशान है तो इन घरेलू नुस्खों को इस्तेमाल करके इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

1. शहद का करें इस्तेमाल

चिकन पॉक्स के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए शहद का प्रयोग काफी फायदेमंद है। इस इस्तेमाल करने के लिए शहद में ओट्स मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसे आधे घंटे तक दागों पर लगाएं और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

2. पपीता का इस्तेमाल

पपीते का पेस्ट चेहरे के दाग-धब्बों को हटाने के अलावा यह स्किन को हाइड्रेट करता है और डेड स्किन हटाने में भी मदद करता है। इस पेस्ट को लगाने के बाद त्वचा निखरी हुई महसूस होती है।

3. नींबू का इस्तेमाल

चिकन पॉक्स के निशानों से छुटकारा पाने के लिए रोजाना नींबू को दागों पर रगड़ें और आधे घंटे बाद चेहरे को धो लें। इससे दाग धीरे-धीरे हल्के होकर साफ जाएंगे।

4. टमाटर

चेहरे से दाग-धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पल्प इस पर लगाएं औ फिर चेहरे को पानी से धो लें। इसके अलावा टमाटर के रस में नींबू का रस मिला कर इन दागों पर लगाएं। इस समस्या से बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

5. चंदन पाउडर

ओलिव ऑयल में चंदन पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को गड्ढों, दाग-धब्बों पर लगाएं और मालिश करें। इस उपाय को दिन में 3-4 बार करें। इस उपाय से आपको कुछ ही दिनों में फायदा मिलेगा।

बिना किसी साइड-इफैक्ट के नैचुरल तरीके से बालों को करें स्ट्रेट

बालों को स्ट्रेट करना इतना ट्रेंड में है कि लड़कियां इसके लिए पार्लर जा कर हजारों पैसे खर्च कर रही हैं क्योंकि इससे उन्हें बालों में कंघी करने या फिर हेयर स्टाइल बनाने में कोई परेशानी नहीं होती। लेकिन पार्लर में बालों को स्ट्रेट करने के लिए कई तरह के केमिकल इस्तेमाल किए जाते है, जिसके बाद में कई तरह के साइड इफैक्ट भी होते हैं। जिससे आप बिना किसी साइड इफैक्ट के बालों को स्ट्रेट और खूबसूरत बना सकेंगी।

1. अंडे और जैतून तेल का हेयरमास्क

सामग्री

अंडे- 2

जैतून का तेल- 3 टेबलस्पून

बनाने का तरीका

1. सबसे पहले बाऊल में 2 अंडे डाल कर फेंट लें और फिर इसमें 3 टेबलस्पून जैतून का तेल मिक्स करें।
2. अब इस मास्क को बालों पर 1 घंट के लिए लगाएं और बाद में इसे किसी माइल्ड शैम्पू के साथ धो लें। इस उपाय को सप्ताह में 1 बार करें।

2. दूध और शहद का हेयरमास्क

सामग्री

दूध- 1/4 कप

शहद- 2 टेबलस्पून

बनाने का तरीका

1. बाऊल में दूध और शहद डाल कर अच्छी तरह मिक्स कर लें।
2. अब बालों को थोड़े-थोड़े हिस्से में बांट ले और तैयार किए हेयर मास्क को बालों पर लगाएं।
3. फिर बालों को शॉवर कैप से 2 घंटे ढका रहने दें और बाद में इसे हल्के शैंपू, ठंडे पानी के साथ धो लें।

3. चावल का आटा और अंडा

सामग्री

अंडे का सफेद भाग- 1

चावल का आटा- 5 टेबलस्पून

दूध - 1/4 कप

बनाने का तरीका

1. बाऊल में सारी सामग्री डाल कर अच्छी तरह मिक्स कर लें।
2. इस हेयर मास्क को बालों पर 1 घंटे तक लगाएं।
3. फिर बालों को सादे पानी से धो लें।

नहीं छूट रही है स्मोकिंग की लत तो ट्राई करें ये 7 तरीके

सिगरेट पीना आजकल लड़के, लड़कियों सेलेकर छोटे-छोटे बच्चों तक के लिए ट्रेंड बन गया है। सिगरेट पीना सेहत के लिए हानिकारक होने के साथ कई जानलेवा बीमारियों का कारण भी बनता है। एक रिसर्च में भी यह बात साबित हो चुकी है, भारतीय लोग धूम्रपान करने में सबसे आगे होते है। कुछ लोग इस लत से छुटकारा पाने के लिए कई तरीके इस्तेमाल करते हैं लेकिन वह चाहकर भी इसे छोड़ नहीं पाते। अगर आप भी सिगरेट की लत को छोड़ना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसे उपाय बताएंगे, जिससे आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगी।

1. अजवायन के बीज

जब भी आपको सिगरेट पीने की तलब लगे तो अजवायन के कुछ बीच लें और उन्हें चबाएं। शुरू में यह आपको मुश्किल मिलेगा लेकिन कुछ ही दिनों में इससे आपकी धूम्रपान करने की लत दूर हो जाएगी।

2. दालचीनी

सिगरेट की लत को छोड़ने के लिए आप दालचीनी के एक टुकड़ा और थोड़ी देर के लिए चूसते रहें। सिगरेट की तलब लगने पर ऐसा करें। इससे आपको सिगरेट छोड़ने में मदद मिलेगी।

3. अंगूर के बीज

सिगरेट छोड़ने के लिए यह सबसे अच्छा तरीका है। जब भी आपको सिगरेट पीने का मन करें तो इसके कुछ दानें लेकर चबाएं। इसका सेवन सिगरेट की लत को दूर करने के साथ रक्त में एसिडिटी को कम करके स्मोकिंग से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

4. कॉपर के बर्तन पानी पीएं

रोजाना कॉपर के बर्तन में रखे हुए पानी को दिन में 2 दिन पीएं। इससे शरीर में जमा हुए विषैले पर्दाथ बाहर निकल जाते हैं। नियमित रूप से कॉपर में रखे बर्तन में पानी पीने से सिगरेट पीने की लालसा कम हो जाती है।

5. शहद

शहद में विटामिन्स, एंजाइम और प्रोटीन होता है जो कि आराम से स्मोकिंग की आदत को छुड़वाने में मदद करता है। जब भी आपको सिगरेट पीने की लालस हो तो शहद चाट लें। इससे कुछ समय में ही आपकी सिगरेट पीने की आदत दूर हो जाएगी।

6. तुलसी

सिगरेट पीने की बजाए आप तुलसी की पत्तियों को चबाएं। हर सुबह और शाम लगभग 2-3 तुलसी की पत्तियां चबाने से सिगरेट पीने की लत छूट जाती है।

7. अश्वगंधा

अश्वगंधा से शरीर डिटॉक्स होता है और यह स्ट्रेस को दूर करने के साथ ही तंबाकू की लत को छुड़वाने में भी मदद करता है। अश्वगंधा की जड़ों से तैयार किए गए पाउडर को पानी के साथ मिलाकर लगातार कुछ दिन पीने से सिगरेट की लत छूट जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर